अध्यापक शिक्षा (बी.एड.) में चेतना विकास मूल्य शिक्षा का अभिनव प्रयोग – समाधान महाविद्यालय में इसी सत्र 2012–13 से

प्रिय बंधुओ,

आपको यह जानकारी देते हुये अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त कर रहे है कि

"सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति" जिसका लक्ष्य हैः–

मध्यस्थ दर्शन "सह अस्तित्ववाद" आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा (जीवन विद्या) पद्धति से अध्ययन–अध्यापन कराने वाली शिक्षण संस्थाओं का निर्माण करना। ताकि इसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी व अध्यापक सर्व मानव लक्ष्य (समाधान, समृद्धि, अभय, सहअस्तित्व) के साथ अखण्ड समाज सार्वभौम व्यवस्था व मानवीयता पूर्ण आचरण को अपने जीवन में प्रमाणित करने की योग्यता विकसित कर सके।

इसी क्रम में शुरुवात करते हुए छत्तीसगढ़ के नये बेमेतरा जिला में समाधान महाविद्यालय की शुरुवात इसी सत्र 2012–13 से होने जा रहा है जिसका भूमि पूजन 10 नवम्बर , 2010 को मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद के प्रणेता श्री ए. नागराजजी के करकमलों से संपन्न हुआ था। महाविद्यालय का उदघाटन भी आप श्री के मार्गदर्शन व करकमलों से संपन्न होगा।

इस पत्र का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों/ छात्र अध्यापकों / अध्यापकों का चयन आप सभी के सहयोग के माध्यम से करना है, जो शिक्षा के मूल लक्ष्य को समझते हुये अपना संपूर्ण जीवन चेतना विकास मूल्य शिक्षा के माध्यम से मानव लक्ष्य की प्राप्ति के लिये शिक्षा संस्कार योजना में समर्पित करना चाहते है। वर्तमान में हजारों शिक्षा महाविद्यालय संपूर्ण भारतवर्ष में संचालित है जो एन.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रहे है और शिक्षक तैयार किये जा रहे है जिसमें अधिकांश छात्र अध्यापकों का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना होता है। समाधान महाविद्यालय में एन.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम की शिक्षा तो दी ही जायेगी, बी.एड. की मान्यता प्राप्त डिग्री भी मिलेगी और साथ ही शिक्षण सत्र की शुरुवात में दो जीवन विद्या परिचय शिविर एवं पूरे शिक्षण सत्र में प्रतिदिन दो पीरियड (कालखंड) मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा के लिये रहेगा जिसके माध्यम से चेतना विकास मूल्य शिक्षा का बीजारोपण किया जायेगा। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के लिये उनकी सुविधा व सहमति अनुसार सुबह–शाम अतिरिक्त समय अध्ययन, योग–प्राणायाम, परिचर्चा, गोष्ठी के लिये भी व्यवस्था रहेगी। जिसमे मानवीय शिक्षा शोध संस्थान (अभ्युदय संस्थान) अछोटी का सतत मार्गदर्शन व सहयोग मिलता रहेगा।

इस महाविद्यालय का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना ही नही है अपितु वास्तव में ऐसे शिक्षक तैयार करना है जो मानवीयतापूर्ण आचरण, संबंध निर्वाह करने की योग्यता, शोषण रहित कार्य करने में कुशल, ज्ञान व विवेक से विज्ञान को समझने व सदुपयोग करने की योग्यता विकसित करें।

pdfMachine - is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Get yours now!
"Thank you very much! I can use Acrobat Distiller or the Acrobat PDFWriter but I consider your product a lot easier to use and much preferable to Adobe's" A.Sarras - USA

मध्यस्थ दर्शन सह–अस्तित्ववाद आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा का प्रस्ताव एवं इसकी आवश्यकता – अभी तक जो कुछ भी शिक्षा में आया, उसके ''विकल्प'' के रूप में मध्यस्थ–दर्शन का ''चेतना–विकास, मूल्य –शिक्षा'' का प्रस्ताव है। जंगल युग से आज तक आदमी जीव–चेतना में जिया है। मनुष्य ने जीव–चेतना में जीते हुए, जीवों से अच्छा जीने के क्रम में शरीर–सुविधा से संबंधित सभी वस्तुएं प्राप्त कर लीं। इसमें खाने–पीने, कपड़ा, मकान, यान–वाहन, दूर–संचार की सभी वस्तुएं शामिल हैं। यह सब होने के बावजूद मनुष्य को शिक्षा से संतुष्टि नहीं मिली। इसका मूल कारण यह है – मनुष्य ज्ञान–अवस्था का है, और उसको जीव–चेतना की शिक्षा से संतुष्टि नहीं मिली। इसका मूल कारण यह है – मनुष्य ज्ञान–अवस्था का है, और उसको जीव–चेतना की शिक्षा से संतुष्टि मिल नहीं सकती। इसलिए ''विकसित चेतना'' के अध्ययन को शिक्षा में लाने के लिए प्रस्ताव है। मानव–चेतना, देव–चेतना, दिव्य–चेतना ''विकसित चेतना'' है। इस तरह जी कर मनुष्य ''कृत–कृत्य'' हो सकता है। ''कृत–कृत्य'' होने का मतलब है – मानव जिस बात के लिए ज्ञान–अवस्था में उदय हुआ है, वह सार्थक होना। इस प्रस्ताव के संपर्क में जो भी आये हैं, उनका यह स्वीकृति है – ऐसा होना बहुत जरूरी है। परिवार में हर व्यक्ति मानव–चेतना में पारंगत हों, देव–चेतना में जी सकें, दिव्य–चेतना को प्रमाणित कर सकें– ऐसा **''अधिकार''** बन सके। **''चेतना–विकास''** से आशय है – मानव–चेतना में जीने के लिए विश्वास स्वयं में पैदा होना। जीव चेतना से मानव चेतना में संक्रमण ही चेतना विकास है। **चेतना विकास मूल्य के अनुसार सही के अर्थ में विकास की परिकल्पना इस प्रकार दिखाई देती है** – हर व्यक्ति में समाधान हो।हर परिवार समृद्ध हो। समाज में अभय हो। प्रकृति में सह–आस्तित्व हो। चाहत के रूप में हर व्यक्ति मानव चेतना में ही जीना चाहता है और यह मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा के विधिवत अध्ययन से पूरा भी हो सकता है।

मध्यस्थ दर्शन आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा में अस्तित्व की तीन वास्तविकताओं जड़, चैतन्य व व्यापक (सत्ता) की सहीं व्याख्या है। ये वास्तविकताएँ नियम से है, ये नियम प्राकृतिक है किसी ने बनाया नहीं है। इसी प्रकार संपूर्ण मानव के समझने व जीने के निम्न आयाम, प्रयोजन व लक्ष्य है, जो मानव व जीवन लक्ष्य के रूप में स्पष्ट होता है।

	मानव लक्ष्य	जीवन लक्ष्य
1.मानव (मैं+शरीर) में व्यवस्था को समझना व जीना	समाधान	सुख
2. परिवार में व्यवस्था को समझना व जीना	समृद्धि	शांति
3. समाज में व्यवस्था को समझना व जीना	अभय	संतोष
4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था को समझना व जीना	सह–अस्तित्व	आनन्द

pdfMachine - is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Get yours now!
"Thank you very much! I can use Acrobat Distiller or the Acrobat PDFWriter but I consider your product a lot easier to use and much preferable to Adobe's" A.Sarras - USA

उपरोक्त चारों लक्ष्य सभी मानव का लक्ष्य है इसे हर कोई स्वयं में निरीक्षण, परस्परता में परीक्षण व सार्वभौंम में सर्वेक्षण कर जांच सकता है। इन्हीं लक्ष्यों की पूर्ति व जीव चेतना से मानव चेतना में संक्रमण हेतु मध्यस्थ दर्शन सहअस्तित्ववाद आधारित चेतना विकास मूल्य शिक्षा का प्रस्ताव है।

चेतना विकास मूल्य शिक्षा का अब तक किया गया प्रयोग

वर्तमान में चेतना विकास मूल्य शिक्षा पृथक पाठ्यक्रम के रुप में छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग, आई. आई.टी. कानपुर, आई.आई.आई.टी. हैदराबाद, आई.आई.टी. दिल्ली, यू.पी.टेक्निकल युनिवर्सिटी के 630 महाविद्यालयों, पंजाब टेक्निकल युनिवर्सिटी में पढ़ाया जा रहा है एवं आई.ए.एस.ई. युनिवर्सिटी (गांधी विद्या मंदिर) सरदार शहर, राजस्थान में चेतना विकास मूल्य शिक्षा में एम.ए. व बी.ए. का कोर्स संचालित है। गत वर्ष से रायपुर में सत्यम बाल संस्थान में मध्यस्थ दर्शन आधारित अभिभावक विद्यालय की शुरुवात अभ्युदय संस्थान परिवार के सदस्यों ने मिलकर किया जिसका सकारात्मक परिणाम बच्चों व अध्यापिकाओं में अपेक्षा से अधिक व उत्साहजनक मिल रहा है।

बी.एड. की जानकारीः— ऐसे विद्यार्थी व अध्यापक ही समाधान महाविद्यालय बेमेतरा में अध्ययन व अध्यापन के लिये आवेदन करें जो पूरा समय अध्ययन – अध्यापन के लिये निकाल सके व उपरोक्त लक्ष्य के लिये स्वयं को समर्पित कर सके। छत्तीसगढ़ में बी.एड. प्रवेश परीक्षा 30 मई, 2012 को आयोजित है जिसके लिये 9 मई तक आवेदन फार्म सभी जिले के मुख्य डाकघरों में मिल रहा है। समाधान महाविद्यालय के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिये सुजीत चौधरी (मों. 9098931607) भावना मलिक (मों. 9981817222), अवधेश पटेल (मों. 9770211116, 9826121666) पर संपर्क कर सकते है।

"सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति" के सदस्यों के नाम :—

चेतना विकास मूल्य शिक्षा के

मार्गदर्शक व सलाहकार

1. श्री सोमदेव त्यागी जी
2. डॉ. संकेत ठाकुर
3. श्री दिनेश कुमार उपाध्याय

महाविद्यालय प्रबंधन समिति

1. श्री अवधेश पटेल
2. श्री गणेश वर्मा
3. श्री सुजीत चौधरी
7. श्री संजय धरबड़गैया
8. श्री रजनीश शुक्ला
9. श्री मति मेघा शुक्ला

समस्त अभ्युदय संस्थान परिवार, अछोटी

एवं विधिवत अध्ययन किये हुये सभी

जीवन विद्या परिवार

4. श्री नरेन्द्र शर्मा
5. श्री मति अल्का तिवारी
6. श्री अविनाश तिवारी
10. श्री राकेश अग्रवाल
11. श्री मति रजनी अग्रवाल
12. श्री प्रेम रतन भट्टर

pdfMachine - is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Get yours now!
"Thank you very much! I can use Acrobat Distiller or the Acrobat PDFWriter but I consider your product a lot easier to use and much preferable to Adobe's" A.Sarras - USA

pdfMachine - is a pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Get yours now!
“Thank you very much! I can use Acrobat Distiller or the Acrobat PDFWriter but I consider your product a lot easier to use and much preferable to Adobe's" A.Sarras - USA